मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CVG–004

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(सी. वी. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

सी.वी.जी.-004 : वैदिक रेखागणित एवं त्रिकोणमिति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

$4 \times 20 = 80$

1. भारत में रेखागणित की व्युत्पत्ति एवं क्रमिक विकास को अपने शब्दों में लिखिए।
2. बौधायन शुल्बसूत्र का परिचय दीजिए एवं इसकी विशेषताओं को बताइए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. कोण तथा आधार, लम्ब एवं कर्ण के विषय में विस्तार से लिखिए।
4. सूर्य सिद्धांत में वर्णित त्रिकोणमिति को स्पष्ट कीजिए।
5. प्राचीन भारत में कालगणना के उपयोगी यन्त्रों के विषय में लिखिए।
6. वृत्त एवं उसके अंगों के विषय में विस्तार से लिखिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***दो*** *का जीवन-परिचय लिखिए।*

$2 \times 10 = 20$

1. बौधायन
2. माधवन
3. शंकर परियार
4. सरस्वती अम्मा

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com